Topic : बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय Date :

Class : २५

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

जन्म - २७ जून १८३८, नैहाटी, बंगाल (चौबीस परगना)

- इनकी शिक्षा मेदिनीपुर व उच्च शिक्षा हुगली कॉलेज और प्रेसीडेंसी कॉलेज में हुई।
- प्रेसीडेंसी कॉलेज से बी.ए. की उपाधि लेने वाले ये पहले भारतीय थे।
- शिक्षा समाप्ति के तुरंत बाद डिप्टी मजिस्ट्रेट पद पर इनकी नियुक्ति हो गई।
- कुछ समय तक ये बंगाल सरकार के सचिव पद पर भी रहे।
- ये बांग्ला भाषा के प्रख्यात उपन्यासकार, कवि, गद्यकार और पत्रकार थे।
- इनकी प्रमुख कृतियाँ 'दुर्गेशनंदिनी', 'कपाल कुण्डला', 'इन्दिरा' 'मृणालिनी', 'आनन्दमठ', 'देवी चौधरानी' आदि हैं।
- प्रेस (प्रिंट) में छपने वाला इनका पहला उपन्यास अंग्रेजी उपन्यास 'राजमोहन्स वाइफ' था।
- दुर्गेशनंदिनी पहला बंगाली रोमांस और बंगाली उपन्यास १८६५ में प्रकाशित हुआ था।

कलाम ACADEMY

- इन्होंने मासिक पत्रिका 'बंग दर्शन' का भी प्रकाशन किया।

- कपाल कुण्डला बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित बंगाली भाषा का एक प्रेम उपन्यास है।

विषवृक्ष - बंगाली उपन्यास (1873)

कृष्ण कांतेर - उपन्यास

→ बकिम चंद्र चटर्जी द्वारा

आनन्द मठ

- आनन्द मठ बांग्ला भाषा का एक उपन्यास है जिसकी रचना बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में की थी।

- इस कृति का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के क्रान्तिकारी पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा।

- इन्होंने अपने आनन्द मठ उपन्यास में बंगाल मे 'तीर्थ यात्रा' कर के विरोध मे हुए 'संन्यासी विद्रोह' का वर्णन किया है।

Note - भारत का राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' इसी उपन्यास से लिया गया है।

- अंग्रेजों ने इस ग्रन्थ पर प्रतिबन्ध लगा दिया था जो स्वतंत्रता के बाद हटाया गया।

कलास ACADEMY

Topic :

Date :

Class :

- बंकिम चन्द्र चटर्जी का कहना था कि 'देश प्रेम धर्म है और धर्म भारत के प्रति प्रेम है।'

- वंदे मातरम् 28 Dec. 1896 को कांग्रेस के कलकता अधिवेशन मे पहली बार गाया गया।

- 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने वंदे मातरम् को स्वीकार किया।

- बकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की मृत्यु 8 अप्रैल 1894 को कोलकाता (बंगाल) मे हुई।

कलाम ACADEMY